मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने इराकी मरीज का सफलतापूर्वक टोटल ह्यूमरस रिप्लेसमेंट किया

फरीदाबाद, 15 अक्तूबर (रैपको न्यूज़)। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद ने इराक से आए एक 22 वर्षीय अंतर्राष्ट्रीय मरीज पर टोटल ह्यूमरस (ऊपरी बांह की हड्डी) का सफलतापूर्वक रिप्लेसमेंट करके आर्थोपेडिक सर्जरी में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि एडवांस्ड स्वास्थ्य सेवा पेशकशों के एक नए युग का संकेत है, हॉस्पिटल को जटिल सर्जिकल प्रक्रियाओं को करने की अपनी क्षमता के लिए जाना जाता है, जिसके लिए सटीकता और खास विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। ऑर्थोपेडिक्स विभाग का नेतृत्व डॉ. अनुराग अग्रवाल, क्लिनिकल डायरेक्टर एवं एचओडी- ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी द्वारा किया जाता है।

22 वर्षीय इराकी युवक सज्जाद हलूब, अपनी ह्यूमरस यानी ऊपरी बांह की हड्डी में गंभीर चोट लगने के कारण अपने देश में कई असफल सर्जरी झेलने के बाद मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में आया था। उनकी हालत इतनी खराब हो गई थी कि पुराने संक्रमण के कारण ह्यूमरल हेड और कोहनी के जोड़ सहित मरीज की ऊपरी बांह की हड्डी पूरी तरह से नष्ट हो गई थी। इस कारण मरीज के हाथ के ऊपरी हिस्से ने काम करना बंद कर दिया तथा कंधे या कोहनी भी हिल नहीं पा रहे थे। युवा मरीज को अत्यधिक शारीरिक रुकावटों और स्थायी अपंगता के जोखिम से जूझना पड़ा।

ऐसे जटिल मामलों में ही ऊपरी बांह की हड्डी का टोटल रिप्लेसमेंट ही सफल हो सकता है। टोटल ह्यूमरस रिप्लेसमेंट एक अत्यंत दुर्लभ और जटिल सर्जिकल प्रक्रिया है, जो आमतौर पर उन गंभीर मामलों में की जाती है, जहां हड्डी इतनी क्षतिग्रस्त हो जाती है कि उसकी मरम्मत नहीं की जा सकती। इस अत्यधिक स्पेशलाइज्ड प्रक्रिया में संपूर्ण ह्यूमरस हड्डी को हटाया जाता है, जिसके बाद कंधे और कोहनी के जोड़ को बदल दिया जाता है। यह सर्जरी विशेष रूप से अनोखी है क्योंकि इसमें हड्डी की पूरी लंबाई पर ऑपरेशन करना, तथा एक साथ दो प्रमुख जोड़ों को बदलना, उसकी जगह कृत्रिम अंग लगाना, तथा एक साथ कंधे और कोहनी के जोड़ों को फिर से बनाना शामिल है। इसके लिए एडवांस्ड सर्जिकल विशेषज्ञता और ह्यूमरस हड्डी की न्यूरो वैस्कुलर और मांसपेशीय शारीरिक रचना का सम्पूर्ण ज्ञान आवश्यक है। आमतौर पर, इस प्रकार की सर्जरी ऑस्टियोसार्कोमा, इविंग सारकोमा और कोंड्रोसार्कोमा जैसे हड्डी के ट्यूमर के लिए बताई होती है, जो ह्यूमरस हड्डी को नष्ट कर सकते है।

डॉ. अनुराग अग्रवाल, क्लीनिकल डायरेक्टर एवं एचओडी जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद कहते है, सज्जाद हलूब का केस हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। बार-बार होने वाले संक्रमण के कारण उनकी हड्डी पूरी तरह से खराब हो गई थी और ऊपरी बांह की हड्डी का टोटल रिप्लेसमेंट ही एकमात्र ऑप्शन था जो सफल हो सकता था। इस सर्जरी के बिना, मरीज के हाथ का ऊपरी हिस्सा काम करना बंद कर देता, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ता। इस ऑपरेशन में दो प्रमुख जोड़ों - कंधे और कोहनी - को रिप्लेस किया गया जिसके लिए महत्वपूर्ण न्यूरो वैस्कुलर संरचनाओं के आसपास सावधानीपूर्वक नेविगेशन (एक जगह से दूसरी जगह पर पहुंचना) की आवश्यकता थी।"

हालांकि ऑस्टियोसार्कोमा, इविंग सारकोमा और कोंड्रोसारकोमा जैसे हड्डी के ट्यूमर के इलाज के लिए अक्सर टोटल ह्यूमरस रिप्लेसमेंट करने के लिए कहा जाता है, हलूब का मामला क्रोनिक संक्रमण के कारण हड्डियों में खराबी की गंभीरता के कारण अनोखा था। ह्यूमरस हड्डी के न होने का मतलब था कि प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक योजना बनाकर किया जाना था ताकि ह्यूमरस के आसपास स्थित महत्वपूर्ण संरचनाओं, जैसे नर्व्स और ब्लड वेसेल्स (रक्त वाहिकाओं) को नुकसान पहुँचने से बचाया जा सके।

डॉक्टरों की टीम को युवा रोगी के इलाज के लिए एक अत्याधुनिक सर्जिकल विधि का सहारा लिया। इस सर्जरी में अत्याधुनिक इम्प्लांट का उपयोग किया गया, जो अपने सकारात्मक परिणामों के लिए जाना जाता है। यह इम्प्लांट (प्रत्यारोपण) भी प्राकृतिक ह्यूमरस हड्डी की संरचना और फंक्शन की तरह ही कार्य करता है, जिससे कंधे और कोहनी फिर से कार्य करने लगते है। यह दुर्लभ प्रक्रिया केवल चुनिंदा केंद्रों में ही की जाती है, जहां ऐसे जटिल मामलों को संभालने के लिए सर्जिकल कौशल और तकनीकी क्षमताएं उपलब्ध हो।

डॉ. विनीत कर्ण, एसोसिएट कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक्स, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद कहते है, "यह सर्जरी सिर्फ हड्डी बदलने के बारे में नहीं है; बल्कि यह मरीज को सामान्य जीवन जीने का दूसरा मौका देने के बारे में है।

हलूब की पूरी ह्यूमरस हड्डी को बदल दिया गया और इम्प्लांट को सटीक तरीके से लगाने पर, हम मरीज के कंधे और कोहनी की उचित मूवमेंट को सुनिश्चित करने में सक्षम हुए, जो कि इस तरह के एडवांस्ड मामले के लिए एक दुर्लभ परिणाम है। फरीदाबाद में पहली बार ऐसी अनोखी सर्जरी करना हमारे हॉस्पिटल के लिए गर्व का क्षण है और यह हमारे द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता के बारे में बहुत कुछ बताता है। मरीज की रिकवरी अनूठी रही है और हम उनके जीवन को बदलने में भूमिका निभाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहे है।"

इस जटिल प्रक्रिया के लिए आर्थोपेडिक सर्जनों, एनेस्थिसियोलॉजिस्टों और रिहैबिलिटेशन स्पेशलिस्ट्स की एक मल्टीडिसिप्लिनरी टीम ने मिलकर काम किया। सर्जरी की सफलता टीम की बारीक शारीरिक संरचना को समझने की क्षमता पर निर्भर थी, सुनिश्चित किया कि न्यूरोवैस्कुलर संरचनाएं बरकरार रहीं, जबकि प्रभावित अंग की कार्यक्षमता भी वापस आ गई। सर्जरी के बाद, मरीज को अच्छी रिकवरी का अनुभव हो रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि मरीज के हाथ के ऊपरी हिस्से में दोबारा से ताकत और गतिशीलता आ जाए, ऑपरेशन के बाद फिजियोथेरेपी शुरू कर दी गई है।

मरीज सज्जाद हलूब ने डॉक्टरों की टीम के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया और कहा, "मैं मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के डॉक्टरों और पूरी टीम का बहुत आभारी हूं। वर्षों के दर्द, सर्जरी और निराशा के बाद, अंततः मुझमें फिर से आशा मिली है।"

सत्यम धीरज फैसिलिटी डायरेक्टर, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद ने कहा कि "मैं डॉ. अनुराग अग्रवाल और उनकी टीम को इस जटिल और अपनी तरह की अनूठी सर्जरी करने के लिए बधाई देता हूं। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में, हमारा ध्यान सबसे एडवांस्ड उपचार विकल्प प्रदान करने और हमारी चिकित्सा टीम की विशेषज्ञता का लाभ उठाने पर है ताकि स्वास्थ्य सेवा में जो संभव है उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाया जा सके।

इस सर्जरी की सफलता, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मरीजों को शीर्ष स्तरीय स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करने के लिए मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स की जिम्मेदारी की मिसाल देती है।

कला विचारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति है, जो नृत्य, संगीत, चित्रकला, साहित्य या रंगमंच जैसे कई रूप ले सकती है

फरीदाबाद, 15 अक्तूबर (रैपको न्यूज़)। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, सैक्टर 21ए में 9 अक्टूबर को 'सह अस्तित्व' एवं विश्व में सामंजस्यपूर्ण वातावरण स्थापित करने के महत्व को दर्शाती, एक अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिता, 'अभिव्यक्ति' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में फरीदाबाद, गुरुग्राम, दिल्ली एवं आसपास के 27 विद्यालयों के लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कक्षा के.1 से लेकर कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों ने आज के समय की आवश्यकता 'सह-अस्तित्व' के प्रति अपने मन के भावों को भाषा, नृत्य, गायन, वादन, चित्रकला और शिल्पकला के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों और 30 उपश्रेणियों में प्रतिभागियों ने संस्कृत, हिंदी, अंग्रेज़ी, फ्रेंच एवं स्पेनिश भाषाओं तथा भिन्न - भिन्न वाद्य यंत्रों, गीत, गज़ल, सूफ़ी, अर्ध शास्त्रीय व पाश्चात्य नृत्य-संगीत, थियेटर [एकल],माइम और भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सुंदर प्रस्तुति द्वारा न केवल सभी को मंत्रमुग्ध किया अपितु प्रतियोगिता की थीम 'सह-अस्तित्व' की सार्थकता का परिचय भी दिया। प्रतिभागियों ने चित्रकला और शिल्पकला के माध्यम से सुंदर रंगों और अपनी अनुपम कलाकृतियों से विद्यालय के प्रांगण को लगभग एक 'लघु विश्व' में परिवर्तित कर दिया। विद्यार्थियों ने अपनी अनुपम प्रस्तुतियों के माध्यम से विश्व में शांति, प्रेम, सद्भाव, सौहार्द और भाईचारे की आवश्यकता पर बल दिया। सुप्रसिद्ध बांसुरीवादक पंडित चेतन जोशी जी ने प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा में चार चाँद लगा दिए। उन्होंने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मानव रचना 21 ए के इस सुंदर आयोजन के लिए स्कूल की प्रधानाचार्या जी को बधाई दी और कहा कि इससे ललित कलाओं का प्रचार-प्रसार होगा। इनसे छात्र इन कलाओं को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने प्रतियोगिता की थीम 'सह-अस्तित्व' की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज के समय में देश के भावी कर्णधारों को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व जैसे विषय पर जागरूक करना बहुत ही सराहनीय है। प्रतियोगिता के विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध कत्थक नर्तक पंडित बिरजू महाराज के सुपुत्र पंडित दीपक महाराज जी ने कला के माध्यम से शांति का संदेश प्रसारित करने के लिए विद्यालय के प्रयास की प्रशंसा करते हुए अपनी उपस्थिति से हमें कृतार्थ किया। मानव रचना शिक्षण संस्थान के उपाध्यक्ष श्री अमित भल्ला ने इस अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए कहा कि शांति, सद्भाव और भाईचारा आज के समय की आवश्यकता है। खुद को सदा शांत रखने वाला व्यक्ति न अपने जीवन में ढेरों सुख पाने के योग्य हो जाता है बल्कि वह अपने आसपास के लोगों और वातावरण को भी शांतिपूर्ण बनाए रखता है।

मानव रचना विद्यालयों की निर्देशिका श्रीमती संयोगिता शर्मा जी ने अपनी स्मित मुस्कान के साथ सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ दीं।

भाषाविज्ञ एवं आदरणीय तथा अपनी- अपनी कलाओं में पारंगत हमारे निर्णायक मंडल- श्री हरिओम शास्त्री जी, डॉ. मीना, सुश्री अर्चना, सुश्री एकता, सुश्री सुरभि, सुश्री मीता रामपाल, श्री संजय सिंह राणा, श्री गौरव कुमार, श्री अर्पण सिंह, श्री मुकेश गंगानी, और श्री नदीम खान, ने छात्रों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और अपनी कला एवं कौशल के द्वारा जन कल्याण करने के लिए प्रोत्साहित किया। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर 21 की प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा अनीस मैम ने निर्णायकों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके भाषा कौशल, उनकी सोच तथा उनके प्रस्तुतीकरण की प्रशंसा करते हुए उन्हें विश्व के नन्हें शांतिदूत कहा।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों से प्रेम, दया एवं सहिष्णुता के गुणों को अपनाने की अपील की।

बिजली कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर विशेष बैठक, कार्यकारी अभियन्ता समक्ष रखी मांगे

फरीदाबाद, 15 अक्तूबर (रैपको न्यूज़)। कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर बल्लभगढ़ डिवीजन के कार्यकारी अभियंता संजय कुमार मंगला से हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर यूनियन सर्कल फरीदाबाद का कर्मचारी प्रतिनिधि मण्डल बल्लभगढ़ के यूनिट प्रधान मदन गोपाल शर्मा की अध्यक्षता सहित सर्कल सचिव विनोद शर्मा के नेतृत्व में मिला ।

बल्लभगढ़ के यूनिट सचिव सुरेन्दर कुमार शर्मा ने कर्मचारियों की समस्याओं के कामों और मुद्दों पर बताया कि फरीदाबाद बिजली निगम की सब डिवीजनों में कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर निगम के अधिकारियों को बार बार अवगत कराया जाता रहा है और यूनियन प्रतिनिधियों दवारा कर्मचारियों की प्रमुख डीमांड में टूल्स एन्ड प्लिास यानी टी एंड पी की कमी होने को लेकर अधिकारियों से इस मुद्दे पर बात की गयी एवम पिछले महीने बल्लभगढ़ की ऊंचा गांव स्थित सब डिवीजन सिटी वन में कार्यरत बिजेन्दर सहायक लाइनमैन रात्रि ड्यूटी के दौरान उसके साथ कुछ शरारती तत्व युवकों के दवारा लाठी डंडों से लैस मारपीट की गयी लेकिन बल्लभगढ़ थाना आदर्श नगर पुलिस प्रशासन दवारा कोई सन्तोष जनक कार्यवाही ना होने से कर्मचारियों में गुस्से का माहौल पनप रहा है । जिसकी बात भी रखी गयी तथा इसके साथ साथ अगस्त 2024 में बिजली ठीक करते समय मनोज कुमार सहायक लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गयी थी जिसकी 18 महीने की सैलरी पेन्डिंग का मुद्दा भी रखा गया । लेकिन इन अहम मुद्दों पर निगम अधिकारियों की ओर से यूनियन के नेताओं को यह सभी काम हो जाने पर सिर्फ आश्वासन देने के अलावा तकनीक कर्मचारियों के लिये धरातल पर टी एंड नहीं दिए जाने से विरोध उत्पन्न हो रहा है । जिसके लिये यूनियन नेताओं ने बल्लभगढ़ के एक्सईएन संजय मंगला को अवगत कराते हुए अपनी बात रखी जिसके विषय पर एक्सईएन संजय कुमार मंगला ने उच्च अधिकारियों से फोन पर अपनी बात करने के बाद एचएसईबी वर्कर यूनियन के नेताओं को जल्द से जल्द सभी तकनीक कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण मुहैया कराने का भरोसा दिलाया ।

इसके साथ साथ आगामी त्यौहारी सीजन को देखते हुए सेन्ट्रल स्टोर से फील्ड में काम करने आदि के लिये समान दिलाये जाने की बात भी कही ।

मीटिंग के इस मौके पर लेखराज चौधरी, सुनील चौहान, धीर सिंह, सन्तराम लाम्बा, राजेश शर्मा, महेन्दर, सोनू गोला, राजबीर शर्मा, मुकेश कुमार भर्तीर, रवि दत्त शर्मा, हरि निवास, सियाराम, सुधीर कौशिक, आदि कर्मचारी नेता मौजूद रहे ।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी को अपराध शाखा टीम ने मोटरसाइकिल सहित किया गिरफ्तार

फरीदाबाद, 15 अक्तूबर (रैपको न्यूज़)। पुलिस उपायुक्त अपराध हेमेन्द्र कुमार मीणा के द्वारा शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराध में शामिल आरोपियो की धर-पकड़ के दिए गए दिशा- निर्देश के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा AVTS की टीम ने आरोपी को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मुशेद उर्फ मुसलीम राजस्थान के डिग जिले के गांव बामनी का रहने वाला है।

आरोपी को अपराध शाखा AVTS की टीम ने सिकरोना नाका चैकिंग के दौरान आरोपी को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। जिसका मामला थाना स्वतन्त्रनगर में दर्ज है।

आरोपी पर पूर्व में वाहन चोरी के 4 मामले दर्ज है। पूछताछ के बाद आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।